इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में स्मारकों का संरक्षण

2189. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले में केंद्र सरकार द्वारा अनुरक्षित स्मारकों के नाम क्या हैं और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान, स्मारक-वार रख-रखाव पर कितनी-कितनी धनराशि खर्च की गई थी ; और

(ग) क्या यह सच है कि इनमें से कुछ स्मारक बहुत ही जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा उन स्मारकों के संरक्षण के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी सैलजा) : (क) और (ख) इलाहाबाद जिले के केंद्रीय संरक्षित स्मारकों की सूची और उनके रखरखाव एवं संरक्षण पर हुआ व्यय विवरण के अनुसार है । **(नीचे देखिये)**

(ग) जी, नहीं ।

विवरण

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले के केंद्रीय संरक्षित स्मारकों की सूची।

क्रम सं०	स्थान	स्मारक/स्थल का नाम	व्यय (पिछले 3 वर्ष)
		इलाहाबाद जिला	
1	इलाहाबाद	इलाहाबाद किला :—	
		1. अशोक स्तम्भ	
		2. उत्कीर्णित प्रस्तार स्तम्भ	
		3. जनाना महल	रु० 2,558.00
2	इलाहाबाद	कैंदमंज कब्रिस्तान	रु० 7,13,559.00
3	इलाहाबाद	खुसरूबाग :—	रु० 4,65,514.00
		1. खुसरू बाग के हाते की दीवार और प्रवेशद्वार	
		2. बीबी तमोलन का मकबरा	
		3. सुलतान खुसरू का मकबरा	
		4. सुल्तान खुसरू की मां का मकबरा	
		5. सुल्तान खुसरू की बहन का मकबरा ।	
4	इलाहाबाद	अल्फ्रेड पार्क में रानी विक्टोरिया का स्मारक ।	रु० 38,948.00
5	बाड़ा	छोटा ऊंचा टीला, एक विशाल हिन्दू मंदिर का प्राचीन स्थल ।	

1	2	3	4
6	भीटा	बंजर भूमि का क्षेत्र, जो तंग घाटी द्वारा "गढ़ और गढ़ी" नाम के दो बड़े टीलों में विभक्त है ।	
7	चिल्ले	पत्थरों से बना एक बहुत बड़ा आवास गृह, जिसे आल्हा और ऊदल नामक दो बहादुरों का घर बताया जाता है, जो 8वीं शताब्दी ईशवी सन का है ।	
8	देवरा, भीटा के पास	खड़ी मूर्ति, जिसे पदूरर ने पंचशीर्ष सर्प के छत्र वाली बुद्ध अश्वघोष की बताई है और जिसकी श्री गौरी देवी के नाम से पूजा की जाती है ।	रु० 5,148.00
9	चिजा पहाड़ी	शिखर के दक्षिण की ओर पत्थर का एक बडा कक्ष जिस पर मनुष्य और पशुओं के कुछ साधारण चित्रों के साथ लाल रंग में भारतीय-शक काल का एक अभिलेख है ।	
10	झूसी	समुद्र गुप्त और हंस गुप्त के ध्वस्त किले ।	
11	करी	जयचन्द्र से संबंधित किला ।	
12	कोसम	प्राचीन गढी (प्राचीन कोशाम्बी से संबंधित) ।	रु० 1,02,124.00
13	मनकौर	गुफा जो सीता की रसोई के नाम से प्रसिद्ध है, जिस पर 9वीं शताब्दी ईसवी सन के स्पष्ट बने अक्षरों की तीन पंक्तियों का अभिलेख है ।	
14	पमोसा	पमोसा पहाड़ी के सामने कृत्रिम गुफा ।	रु० 2,107.00
15	पमोसा	पमोसा पहाडी के शिखर पर ईंटों के एक बड़े भवन के अवशेष ।	
16	शिवपुर (हठगा काखेड़ा)	विशाल टीला, जो हठगुहा डीह कहलाती है ।	
17	शिवराजपुर	गढ़वा किला ।	रु० 1,53195.00
18	सिंगरौर	बड़ा टीला जो सूर्य भीटा कहलाता है ।	रु० 1,38,399,00